PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Wed, 16 Aug 2017, Page 9
Width: 36.32 cms, Height: 21.51 cms, a3r, Ref: 20.2017-08-16.61

..70वीं सालगिरह पर जश्न : मोहनों के बीच पहुंचे मोदी

■ ज्ञानप्रकाश

नई दिल्ली। एसएनबी

ऐतिहासिक लालकिला के विशाल मैदान में देश की आजादी की 70 वीं सालगिरह का जश्न मनाने के लिए नौनिहालों की भी भागीदारी कई मायनों में खास रही। वे सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनना, देखना और हाथ मिलाना चाहते थे। उनका कहना था कि हम टीवी, रेडियो में तो उन्हें देखते सुनते हैं लेकिन पहली बार ऐसा था जब वे हमारे बीच में रहे, हाथ मिलाया, नाम भी पूछा। इस अविस्मरणीय पल को वे ताउम्र याद रखेंगे। इस समारोह में आने के लिए वे तय समय से करीब चार घंटे पहले समारोह स्थल पर पहुंच गए थे।

मोदी का संबोधन खत्म होने के बाद जब वे अपनी गाड़ी में सवार हो काफिले के साथ जाने लगे थे तब उनकी कार रुकी। अगली सीट से उतरने के बाद वे सीधे वहां पहुंचे जहां पर बच्चों ने भारत की आकृति वाली छवि बनाई थी और बच्चों ने मानव श्रृंखला का आकार दिया था। इसमें नीला,

सफेद हरा, केसरिया व पीले रंग की कपड़े और टोपियां पहने बच्चे खड़े थे। दूर से देखने पर भारत लिखा नजर आ रहा था। उनमें से पहले कृष्ण का मुकुट, मुखौटे पहने कुछ बच्चे पहली पंक्ति में थे वे उठे और पीएम सर को अभिवादन किया फिर स्कूली बच्चों और एनसीसी, स्काउट की यूनिफार्म पहने बच्चे उठकर आए और पीएम को उन्हें घेर

प्रधानमंत्री ने उनका नाम भी पूछा और हाथ भी मिलाया

मूक-बधिर बच्चों को संकेत भाषा से पीएम के भाषण से रूबरू कराया गया

लिया। सुरक्षा चक्र को तोड़ते हुए पीएम मोदी इस कदर बच्चों को देखकर भावविहल हो गए कि बारंबार सुरक्षाकर्मियों आगाह करने के बाद भी वे बच्चों से ही बतियाते रहे।

बच्चों के बीच खिंचवाई तस्वीर : मंच के सामने सबसे आगे भगवान कृष्ण की वेशभूषा में बैठे छोटे-छोटे स्कूली बच्चे काफी प्यारे लग रहे थे। अपने संबोधन के आरंभ में ही मोदी ने इन बच्चों की ओर इशारा करते हुए देशवासियों को कृष्णाष्टमी की बधाई दी। उन्होंने कहा कि चक्रधारी मोहन (भगवान कृष्ण) से लेकर चरखाधारी मोहन (महात्मा गाँधी) तक भारत की विरासत काफी समृद्ध रही है। कुछ बच्चे जो मोदी को करीब से देखना चाहते थे उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री ने सुरक्षाकर्मियों से उन्हें आने देने के लिए कहा। इसके बाद बच्चे उनकी गाड़ी तक पहुंच गऐ। उन्होंने बच्चों के बीच खड़े होकर तस्वीरें भी खिंचवाई।